



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 26, 1983/फाल्गुन 7, 1904
No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 26, 1983/PHALGUNA 7, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4

PART II—SECTION 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश

Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1983

का०नि०आ० 65.—सैनिक भूमि और छावनी (छावनी अधिशासी अधिकारी) सेवा (समूह 'ख') नियम, 1982 का एक प्रत्यक्ष छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 280 की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०नि०आ० 226 तारीख 27 अगस्त, 1982 के साथ भारत के राजपत्र भाग-2, खण्ड-4 तारीख 11 सितम्बर, 1982 में प्रकाशित किया गया था जिसमें 29 अक्तूबर, 1982 तक उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे जिनसे उनके प्रभावित होने की संभावना है;

और पूर्वोक्त राजपत्र 14 नवम्बर, 1982 को अज्ञात को उल्लेख करा दिया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार ने विनिश्चित तारीख से पूर्व प्राप्त सभी आक्षेपों और सुझावों पर समीक्षा के रूप से विचार कर लिया है ;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 280 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

नियम

1 संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :-

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सैनिक भूमि और छावनी (छावनी अधिशासी अधिकारी) सेवा (समूह 'ख') नियम, 1983 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :-

इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अरथा अपेक्षित न हो :-

- (क) 'आयोग' से मंच लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है ;
- (ख) 'विभागीय प्रोन्नति समिति' से सेवा में प्रोन्नति और पुष्टि पर विचार करने के लिए गठित समिति अभिप्रेत है ;
- (ग) 'कर्तव्य पद' से नियम 4 के उपनियम (1) में सम्मिलित पद अभिप्रेत है चाहे वह स्थायी हो या अस्थायी हो ;
- (घ) 'परीक्षा' से वह परीक्षा अभिप्रेत है जो सरकार द्वारा समय समय पर यथा विहित परीक्षा की स्कीम के अनुसार सेवा में नियुक्ति के लिए महानिदेशक, सैनिक भूमि और छावनी द्वारा ली जाती है ;

(क) "सरकार" से भारत सरकार अभिप्रेत है ;

(ख) किसी श्रेणी के सम्बन्ध में "निम्न सेवा" से उस श्रेणी में दौरेदारान नियुक्ति के लिए विहित प्रक्रिया के अनुसार प्राप्त किए जाने के पश्चात् श्रेणी में सेवा की अवधि या अवधियां अभिप्रेत हैं और उसमें ऐसे कोई अवधि या अवधियां सम्मिलित हैं :-

(i) जो सेवा के आरंभिक गठन के समय नियुक्त किए जाने वाले व्यक्तियों की वंश में उपेक्षा के प्रयोजन के लिए विहित हैं ;

(ii) जिसके जिनके दौरान ऐसा अधिकारी जो यदि छुट्टी पर होने के कारण या अन्यथा ऐसे पदों को धारण करने के लिए उपयुक्त नहीं होता तो उस श्रेणी में कर्तव्य पद को धारण करता,

(छ) 'अनुसूचित जाति' और 'अनुसूचित जनजाति' के वही अर्थ होंगे जो संविधान के अनुच्छेद 366 के खण्ड (24) और (25) में उनके हैं ;

(ज) "सेवा" से नियम 3 के अधीन गठित सैनिक भूमि और छावनी (छावनी अधिशासी अधिकारी) सेवा (समूह "ख") अभिप्रेत है ।

3. सैनिक भूमि और छावनी (छावनी अधिशासी अधिकारी) सेवा (समूह "ख") का गठन :-

सैनिक भूमि और छावनी (छावनी अधिशासी अधिकारी) सेवा (समूह "ख") के नाम से ज्ञात एक सेवा का गठन किया जाएगा जिसमें नियम 6 और 7 के अधीन सेवा में नियुक्त किए गए व्यक्ति होंगे । सेवा में सम्मिलित किए गए सभी पद समूह "ख" पदों के रूप में वर्गीकृत किए जाएंगे ।

4. सेवा की प्राधिकृत संख्या और उनका पुनर्वितरण

(1) इन नियमों के प्रारंभ होने की तारीख को, सेवा में सम्मिलित कर्तव्य पद, उनकी संख्या और वेतनमान वे होंगे जो नीचे विनिर्दिष्ट हैं :-

क्रम नं० पद का नाम	पदों की संख्या	वेतनमान
1. छावनी अधिशासी अधिकारी	264	650-30-740-35- 810-40-900-35- 880-40-1000- 900-40-1200 रुपये

(2) इन नियमों के प्रारंभ होने के पश्चात् कर्तव्य पदों की प्राधिकृत स्थायी संख्या वह होगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाए ।

(3) सरकार कर्तव्य पदों की संख्या में अस्थायी परिवर्धन या कटौत जैसी वह समय-समय पर आवश्यक समझे, कर सकती है ।

(4) सरकार, उपनियम (1) में सम्मिलित पदों से भिन्न किसी पद को, आयोग के परामर्श से सेवा में मिला सकती है या उक्त नियमों में सम्मिलित किसी पद को सेवा में अवकाशित कर सकती है ।

(5) सरकार किसी ऐसे अधिकारी को जिसका पद इस नियम के उपनियम (4) के अधीन सेवा में सम्मिलित किया गया है, किसी अस्थायी हैसियत या अधिष्ठायी हैसियत में, जैसा भी ठीक समझे आयोग के परामर्श से नियुक्त कर सकती है और उसकी उपेक्षा सवृण श्रेणी में लगातार नियमित सेवा की गणना में लेने के पश्चात् नियमित कर सकती है ।

5. सेवा के सवस्य :-

(1) निम्नलिखित व्यक्ति सेवा के सवस्य होंगे :-

(क) वे व्यक्ति जो इन नियमों के प्रारंभ पर नियम 6 के अधीन सेवा में नियुक्त किए जाएं ऐसे प्रारंभ की तारीख से ।

(ख) वे व्यक्ति जो इन नियमों के प्रारंभ के पश्चात् कर्तव्य पदों पर नियुक्त किए जाएं उस तारीख से जिस तारीख से जिस तारीख को वे नियुक्त किए जाते हैं ।

(2) उपनियम (1) के खण्ड (क) के अधीन नियुक्त किया गया व्यक्ति ऐसे प्रारंभ पर तत्स्थानी श्रेणी में सेवा का सवस्य समझा जाएगा ।

(3) उपनियम (1) के खण्ड (ख) के अधीन नियुक्त किया गया व्यक्ति तत्स्थानी श्रेणी में ऐसी नियुक्ति की तारीख से सेवा का सवस्य होगा ।

6. सेवा का आरंभिक गठन :-

(1) इन नियमों के प्रारंभ की तारीख को पूर्णपूर्व सैनिक भूमि और छावनी सेवा में निर्मित आधार पर छावनी अधिशासी अधिकारी (समूह "ख") के पदों पर नियुक्त सभी अधिकारी सेवा में नियुक्त किए गए समझे जाएंगे ।

टिप्पण - उपनियम (1) में उल्लिखित अधिकारियों की, सेवा में उनकी नियुक्ति के पूर्व की नियमित लगातार सेवा, सेवा में प्रोत्ति, पृष्ठ और पेंशन के लिए अर्हक सेवा की प्रयोजनों के लिए गणना में ली जाएगी ।

(2) उस सीमा तक जिस तक सेवा में प्राधिकृत नियमित संख्या आरंभिक गठन के समय नहीं भरी जाती है, वह नियम 7 के अनुसार भरी जाएगी ।

7. सेवा का भारी अनुरक्षण :-

(1) नियम 6 के अनुसार अधिकारियों की नियुक्ति द्वारा सेवा का आरंभिक गठन पूरा होने के पश्चात् रिक्तियों इसमें इसके पश्चात् उपबंधित रीति से भरी जाएंगी ।

(2) सेवा में रिक्तियों का 50 प्रतिशत ऐसे कार्यलय अधीक्षक श्रेणी I, कार्यलय अधीक्षक श्रेणी II, और सक्की मजदूरों में से भरा जाएगा जिन्होंने किसी माध्यम प्राप्त विश्वविद्यालय/बोर्ड/विद्यालय से मैट्रिकुलेशन परीक्षा या समतुल्य उत्तीर्ण की है और 20 वर्ष की कुल नियमित सेवा की है । चयन, सरकार द्वारा समय-समय पर यथा-निश्चित परीक्षा की स्कीम के अनुसार महानिदेशक, सैनिक भूमि और छावनी द्वारा की गई परीक्षा के आधार पर किया जाएगा । उन अवसरों की अधिकतम संख्या जो किसी अभ्यर्थी को मिल सकते हैं, तीन तक निर्बंधित रहेगी ।

(3) सेवा में रिक्तियों का शेष 50 प्रतिशत छावनी बोर्डों में ऐसे अधिकारियों के स्थानान्तरण द्वारा भरा जाएगा जो कम से कम 425 रु० प्रतिमास मूल वेतन प्राप्त कर रहे हैं और जिन्होंने किसी माध्यम प्राप्त विश्वविद्यालय/बोर्ड/विद्यालय से मैट्रिकुलेशन परीक्षा या समतुल्य उत्तीर्ण की है और छावनी बोर्ड में 20 वर्ष लगातार सेवा की है । चयन, सरकार द्वारा समय-समय पर यथा-विहित परीक्षा की स्कीम के अनुसार महानिदेशक, सैनिक भूमि और छावनी द्वारा की गई परीक्षा के आधार पर किया जाएगा । उन अवसरों की अधिकतम संख्या जो किसी अभ्यर्थी को मिल सकते हैं, तीन तक निर्बंधित रहेगी ।

टिप्पण . 20 वर्ष की अर्हक सेवा की गणना करते समय, किसी कर्मचारी का केन्द्र सरकार के किसी अन्य विभाग में अनुभव भी गणना में लिया जाएगा परन्तु यह तब जब उसे, यथास्थिति सैनिक भूमि और छावनी सेवा/छावनी बोर्ड में स्थायी रूप से आसेजित कर लिया गया है।

(4) प्रोन्नति और पुष्टि के लिए अधिकारियों का चयन नीचे विनिर्दिष्ट संरचना के अनुसार गठित विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिशों पर किया जाएगा :—

1. संयुक्त सचिव (पी० एण्ड० डब्ल्यू०), रक्षा मंत्रालय
—अध्यक्ष

2. महानिदेशक/उप महानिदेशक,
सैनिक भूमि और छावनी —सदस्य

3. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, रक्षा मंत्रालय —सदस्य

टिप्पण 1.—पुष्टि से सम्बन्धित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियाँ, आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु, यदि संघ शोक सेवा आयोग इनका अनुमोदन नहीं करता है तो, विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

टिप्पण 2.—यदि सेवा में नियुक्ति के लिए किसी अधिकारी पर विचार किया जाता है तो उस श्रेणी में उससे ज्येष्ठ सभी व्यक्तियों पर इस बात के होते हुए भी विचार किया जाएगा कि उन्होंने अपेक्षित वर्षों की सेवा पूरी नहीं की है।

8. परीक्षा :—

(1) सेवा में प्रोन्नति या स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त किया गया प्रत्येक व्यक्ति बी वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर होगा; परन्तु यह कि सरकार, उसके द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार परीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है :

परन्तु यह और कि परीक्षा अवधि के विस्तार की बाबत, विनिश्चय, आरंभिक परीक्षा अवधि की समाप्ति के ठीक पश्चात् (सामान्यतः छह और आठ सप्ताह की अवधि के भीतर) किया जाना चाहिए और यदि परीक्षा अवधि में विस्तार किया जाता है तो उस दशा में उसकी संयोजना कारणों सहित कर्मचारी को दी जानी चाहिए।

(2) परीक्षा की अवधि के पूरा हो जाने पर, व्यक्तियों को, यदि उन्हें स्थायी नियुक्ति के योग्य समझा जाता है तो नियमित आधार पर उन्हें उनकी नियुक्ति पर प्रतिधारित किया जाएगा और सम्बन्ध अनुक्रम में उपलब्ध स्थायी रिक्तियों पर उन्हें पुष्ट किया जाएगा।

(3) यदि उपनिषम (1) में निर्दिष्ट यथास्थिति परीक्षा की अवधि या उसके किसी विस्तार के दौरान सरकार की यह राय है कि कोई अभ्यर्थी स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं है या यदि परीक्षा की ऐसी अवधि या उसके किसी विस्तार के दौरान, सरकार का यह समाधान हो जाता है कि अभ्यर्थी ऐसी परीक्षा की अवधि या उसके विस्तार की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं होगा, तो सरकार अभ्यर्थी को, यथास्थिति, सेवानुसृत कर सकती है, या उसके अधिष्ठायी पर उसे प्रत्यावर्तित कर सकती है।

(4) सरकार परीक्षा की अवधि के दौरान अभ्यर्थियों से ऐसे प्रशिक्षण और अनुदेशों के पाठ्यक्रम को पूरा करने और ऐसी

परीक्षाएं तथा परीक्षण (जिसके अन्तर्गत हिन्दी में परीक्षा भी है) उत्तीर्ण करने की, जो वह ठीक समझे, परीक्षा के समाधानप्रबन्ध में पूरा करने की एक शर्त के रूप में अपेक्षा कर सकती है।

9. सेवा के सदस्यों की सेवा में नियुक्ति, तैनातियाँ और उनका स्थानान्तरण:—

सेवा में सभी नियुक्तियों सरकार द्वारा की जाएंगी और सेवा के सदस्यों की तैनातियाँ और उनका स्थानान्तरण महानिदेशक, रक्षा भूमि और छावनी द्वारा किया जाएगा।

10. भारत के किसी भाग में सेवा के लिए बाधित और सेवा की अन्य शर्तें:—

(1) सेवा में नियुक्त किए गए अधिकारी भारत में या भारत से बाहर किसी स्थान पर सेवा करने के बायी होंगे।

(2) अधिकारी, यदि उन्हें प्रतिनियुक्त किया जाता है तो सरकार, के किसी अन्य मंत्रालय/विभाग में या सरकार के निगमों और औद्योगिक उद्यमों में सेवा करने के बायी होंगे।

(3) उन मामलों की बाबत जिनकी बाबत इन नियमों में उपबन्ध नहीं किए गए हैं, सेवा के सदस्यों की सेवा की शर्तें वैसी ही होंगी जो साधारणतया केन्द्रीय सिविल सेवा के अधिकारियों को समय-समय पर लागू होती है।

11. निरहताएं :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए भी किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पक्ष पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुश्रेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

12. शिथिल करने की शक्ति :—

जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकती है।

13. व्यावृत्ति :

इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आवृत्तियों में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

14. निर्वाचन :—

यदि इन नियमों के निर्वाचन के सम्बन्ध में कोई प्रश्न उठता है तो वह सरकार द्वारा विनिश्चित किया जाएगा।

15. निरसन :—

समय-समय पर यथा संशोधित सैनिक भूमि और छावनी सेवा (समूह "क" और समूह "ख") नियम, 1951 को, जहाँ तक वे उन पवों से सम्बन्धित हैं जिनको ये नियम लागू होते हैं, इसके द्वारा निरसित किया जाता है :

परन्तु यह कि ऐसे निरसन के पूर्व उक्त नियमों के अर्धन की गई किसी बात या कार्रवाई पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

MINISTRY OF DEFENCE

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 11th February, 1983

S.R.O. 65.—Whereas draft of the Military Land and Cantonment (Cantonment Executive Officers) Service (Group B) Rules, 1982 was published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 226 dated the 7th August 1982 in the Gazette of India, Part II, Section 4 dated the 11th September, 1982 as required by sub-section (1) of section 280 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) for inviting objections and suggestions from all the persons likely to be affected thereby till the 29th October, 1982 ;

And whereas the aforesaid Gazette was made available to the public on the 14th September, 1982 ;

And whereas all the objections and suggestions received before the date specified have been duly considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 280 of the said Act the Central Government hereby makes the following rules namely :—

RULES

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Military Lands and Cantonments (Cantonment Executive Officer) Service (Group B) Rules 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules unless the context otherwise requires :—

- (a) "Commission" means the Union Public Service Commission ;
- (b) "Departmental Promotion Committee" means a Committee constituted to consider promotion and confirmation in the Service ;
- (c) "Duty post" means a post, whether permanent or temporary, included in sub-rule (1) of rule 4 ;
- (d) "Examination" means the examination which may be held by the Director General, Military Lands and Cantonments for appointment in the Service in accordance with the scheme of examination as may be prescribed by the Government from time to time ;
- (e) "Government" means the Government of India ;
- (f) "Regular Service" in relation to any grade means the period or periods of service in the grade rendered after selection according to the prescribed procedure for long term appointment to that grade and includes any period or periods :—
 - (i) taken into account for purposes of seniority in the case of those appointed at the initial constitution of the Service ;
 - (ii) during which an officer would have held a duty post in that grade but for being on leave or otherwise not being available for holding such posts ;
- (g) "Scheduled Castes" and "Scheduled Tribes" shall respectively have the same meaning as assigned to them respectively in clauses (24) and (25) of article 366 of the Constitution ;
- (h) "Service" means the Military Lands and Cantonments (Cantonment Executive Officer) Service (Group B) constituted under rule 3.

3. Constitution of the Military Lands and Cantonments (Cantonment Executive Officers) Service (Group B).—There shall be constituted a Service known as the Military Lands and Cantonments (Cantonment Executive Officers) Service (Group B) consisting of persons appointed to the Service under rules 6 and 7. All the posts included in the Service shall be classified as Group B posts.

4. Authorised strength of the Service and its review.—(1) The duty posts included in the Service, their number and scale of pay on the date of commencement of these rules shall be as specified below :—

Sl. No.	Name of the post	No. of posts	Scale of pay
(1)	Cantonment Executive Officer (Group B)	24	Rs. 650-30-740-35-810-E B-35-880 40-1000-E B-40-1200.

(2) After the commencement of these rules the authorised permanent strength of the duty posts shall be such as may from time to time, be determined by the Government.

(3) The Government may make temporary additions or deletions to the strength of the duty posts as deemed necessary from time to time.

(4) The Government may, in consultation with the Commission include in the Service any post other than those included in sub-rule (1) or exclude from the service a post included in the said sub-rule.

(5) The Government may, in consultation with the Commission, appoint an officer whose post is included in the Service under sub-rule (4) of this rule to the service in a temporary capacity or in a substantive capacity as may be deemed fit, and fix his seniority after taking into account continuous regular service in the analogous grade.

5. Members of the Service.—(1) The following persons shall be the members of the Service :—

- (a) Persons appointed to the Service at the commencement of these rules under rule 6 from the date of such commencement.
- (b) Persons appointed to duty posts after the commencement of these rules from the date they are so appointed.
- (2) A person appointed under clause (a) of sub-rule (1) shall, on such commencement be deemed to be a member of the Service in the corresponding grade.
- (3) A person appointed under clause (b) of sub-rule (1) shall be a member of the Service in the corresponding grade from the date of such appointment.

6. Initial constitution of the Service.—(1) All Officers appointed to the posts of Cantonment Executive Officers (Group B) in the erstwhile Military Lands and Cantonments Service on regular basis on the date of commencement of these rules shall be deemed to have been appointed to the Service.

Note :—The regular continuous service of officers mentioned in sub-rule (1) prior to their appointment to the Service shall count for the purposes of qualifying service for promotion, confirmation and pension in the Service.

(2) To the extent the authorised regular strength in the service is not filled at the time of the initial constitution, it shall be filled in accordance with rule 7.

7. Future maintenance of the Service.—(1) After the initial constitution of the Service has been completed by the appointment of officers in accordance with rule 6 vacancies shall be filled in the manner as hereafter provided.

(2) 50 per cent of the vacancies in the Service shall be filled by promotion from Office Superintendent Grade I, Office Superintendents Grade II and Technical Assistants, who have passed the Matriculation Examination from a recognised University/Board/School or equivalent and have rendered 20 years of total regular service. The selection shall be made on the basis of the examination held by the Director General, Military Lands and Cantonments in accordance with the scheme of examination as may be prescribed by the Government from time to time. The maximum number of chances which would be availed of by a candidate will be restricted to three.

(3) The remaining 50 per cent vacancies in the Service shall be filled by transfer from among the employees of the Cantonment Boards drawing a basic salary of not less than

Rs. 425 per month who have passed the Matriculation Examination from a recognised University/Board/School or equivalent and have rendered 20 years continuous service in the Cantonment Board. The selection shall be made on the basis of the examination held by the Director General, Military Lands and Cantonments in accordance with the scheme of the examination as may be prescribed by the Government from time to time. The maximum number of chances which could be availed by a candidate will be restricted to three.

Note :—While computing 20 years' of qualifying service, experience of an employee in any other Department of the Central Government will be taken into account, provided he has been permanently absorbed in the Military Lands and Cantonments Service/Cantonment Board, as the case may be.

(4) The selection of officers for promotion and confirmation shall be made on the recommendations of the Departmental Promotion Committee constituted in accordance with the composition specified below :—

1. Joint Secretary (P&W), Ministry of Defence—
Chairman
2. Director General/Deputy Director General,
ML&C — Member
3. Chief Administrative Officer, Ministry of Defence
— Member

Note 1 : The proceedings of the D.P.C. relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of D.P.C. to be presided over by the Chairman or a Member of the U.P.S.C. shall be held.

Note 2 : If an officer is considered for the purpose of appointment to the Service, all persons senior to him in the grade shall also be considered notwithstanding that they may not have rendered the requisite number of years of service.

8. Probation.—(1) Every person on appointment to the probation in accordance with the instruction issued by the for a period of two years :

Provided that the Government may extend the period of probation in accordance with the instruction issued by the Government from time to time :

Provided further that the decision regarding the extension of probation period should be taken immediately after the expiry of the initial probationary period (ordinarily within a period of 6 to 8 weeks) and communicated to the employee together with the reasons in case of any extension in the probationary period.

(2) On completion of the period of probation persons shall if considered fit for permanent appointment be retained in their appointment on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies, as the case may be.

(3) If, during the period of probation referred to in sub-rule (1) or any extension thereof, as the case may be the Government is of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation, or extension thereof, the Government is satisfied that the candidate will not be fit for permanent appointment on the expiry of such period of probation or extension thereof, the Government may discharge or revert the candidate to his substantive post as the case may be.

(4) During the period of probation, the candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests (including examination in Hindi) as it may deem fit, as a condition of satisfactory completion of the probation.

9. Appointment to the Service, postings and transfer of members of the Service.—All appointments to the Service shall be made by the Government and postings and transfers of the members of the Service shall be made by the Director General, Defence Lands and Cantonments.

10. Liability for service in any part of India and other conditions of Service.—(1) Officers appointed to the Service shall be liable to serve anywhere in India or outside.

(2) Officers, if deputed, shall be liable to serve in any other Ministry/Department of the Government or Corporations and Industrial Undertakings of the Government.

(3) The conditions of service of the members of the service in respect of matters for which no provision is made in the rules shall be the same as are applicable, from time to time, to officers of Central Civil Services, in general.

11. Disqualifications.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the Service :

Provided that the Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

12. Power to relax.—Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category persons.

13. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for persons belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Government from time to time.

14. Interpretation.—If any question relating to interpretation of these rules arises, it shall be decided by the Government.

15. Repeal.—The Military Lands and Cantonments Service (Group A and Group B) Rules 1951 as amended from time to time and in so far as they relate to posts to which these rules are applicable are hereby repealed :

Provided that such repeal shall not affect anything done or action taken under the said rules, before such repeal.

(File No. 103/44/ADM/I&C(PC))

का०नि०आ० 66.--सैनिक भूमि और छावनी (सहायक सैनिक सम्पदा अधिकारी) सेवा(समूह "ख") नियम, 1982 का एक प्रारूप छावनी अधिनियम, 1924(1924 का 2) की धारा 280 की उपधारा (1) द्वारा तथा अपेक्षित भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०नि०आ० 227 तारीख 27 अगस्त, 1982 के साथ भारत के राजपत्र, भाग-2, खंड-4 तारीख 11 नवम्बर, 1982 में प्रकाशित किया गया था जिसमें 29 अक्टूबर, 1982 तक, उन सभी व्यक्तियों से आश और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है,

और पूर्वोक्त राजपत्र 11 नवम्बर, 1982 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार ने विनिर्दिष्ट तारीख में पूर्व प्राप्त सभी आशेषों और सुझावों पर सम्यक् रूप से विचार कर लिया है ;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 280 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

नियम

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ -- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सैनिक भूमि और छावनी (सहायक सैनिक सम्पदा अधिकारी) सेवा (समूह "ख") नियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाश की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं. इन नियमों में, जब तक कि सर्वत्र में अन्यथा अपेक्षित न हो :-

- (क) "आयोग" से सब लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है ;
 (ख) "विभागीय प्रोन्नति समिति" से सेवा में प्रोन्नति और पुष्टि पर विचार करने के लिए गठन समिति अभिप्रेत है ;
 (ग) "कर्तव्य पद" नियम 4 के उपनियम (1) में सम्मिलित पद अभिप्रेत है जिसे स्थायी हो या अस्थायी हो ;
 (घ) "सरकार" से भारत अभिप्रेत है ;
 (ङ) किसी श्रेणी के संबंध में "नियमित सेवा" से उन श्रेणी में दीर्घ कालीन नियुक्ति के लिए विहित प्रक्रिया के अनुसार चयन किए जाने के पश्चात् श्रेणी में सेवा की अवधि या अवधिया अभिप्रेत है और उसमें ऐसा कोई अवधि या अवधिया सम्मिलित हैं :-

(i) जो सेवा के आरंभिक गठन के समय नियुक्त किए जाने वाले व्यक्तियों की दशा में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए हिमात्र में ली जाती है ;

(ii) जिनके दौरान ऐसे अधिकारी जो यदि छुट्टी पर होने के कारण या अन्यथा ऐसे पदों का धारण करने के लिए उपलब्ध नहीं होता तो उन श्रेणी में कर्तव्य पद का धारण करता ,

- (च) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है ;
 (छ) "अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति" के वही अर्थ होंगे जो संविधान के अनुच्छेद 366 के खंड (24) और (25) में उनके हैं ;
 (ज) "सेवा" से नियम 3 के अधीन गठित सैनिक भूमि और छावनी (सहायक सैनिक सम्पदा अधिकारी) सेवा (समूह "ख") अभिप्रेत है ,

3. सैनिक भूमि और छावनी (सहायक) सैनिक सम्पदा अधिकारी सेवा (समूह "ख") का गठन :- सैनिक भूमि और छावनी (सहायक सैनिक सम्पदा अधिकारी) सेवा (समूह "ख") के नाम से ज्ञात एक सेवा का गठन किया जाएगा जिसमें नियम 6 और 7 के अधीन सेवा में नियुक्त किए गए व्यक्ति होंगे। सेवा में सम्मिलित किए गए सभी पद समूह "ख" पदों के रूप में वर्गीकृत किए जाएंगे।

4. सेवा की प्राधिकृत संख्या और उसका पुनर्विलोकन :- (1) इन नियमों के प्रारंभ होने की तारीख को, सेवा में सम्मिलित कर्तव्य पद उनकी संख्या और वेतनमान वे होंगे जो नीचे विनिर्दिष्ट हैं :-

क्र० सं०	पद का नाम	पदों की संख्या	वेतनमान
1.	सहायक सैनिक सम्पदा अधिकारी	31	650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 द०

(2) इस नियमों के प्रारंभ होने के पश्चात् कर्तव्य पदों की प्राधिकृत संख्या वह होगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाए।

(3) सरकार कर्तव्य पदों की संख्या में अस्थायी परिवर्धन या विनोपन जैसे समय-समय पर आवश्यक समझे जाए, कर सकती है।

(4) सरकार, आयोग के परामर्श से सेवा में उपनियम (1) में सम्मिलित पदों से बिना किसी पद को मिला सकती है या उक्त नियमों में सम्मिलित किसी पद को सेवा से अपवर्जित कर सकती है।

(5) सरकार, आयोग के परामर्श से, किसी ऐसे अधिकारी को जिसका पद इस नियम के उपनियम (4) के अधीन सेवा में सम्मिलित है, सेवा में किसी आयोग अस्थायी हैमित या अधिष्ठायी हैमित में, जैसा भी ठीक समझा जाए, नियुक्त कर सकती है, और उसकी ज्येष्ठता सश्रृंखली में लगातार नियमित सेवा की गगता में सेने के पश्चात् नियत कर सकती है।

5 सेवा के सदस्य :- (1) निम्नलिखित व्यक्ति सेवा के सदस्य होंगे :-

(क) वे व्यक्ति जो नियम 6 के अधीन इन नियमों के प्रारंभ पर सेवा में नियुक्त किए जाए, ऐसे प्रारंभ की तारीख से।

(ख) वे व्यक्ति जो इन नियमों के प्रारंभ के पश्चात् कर्तव्य पदों पर नियुक्त किए जाए, उम तारीख से जिस तारीख को वे इस प्रकार नियुक्त किए जाने हैं।

(2) उपनियम (1) के खंड (क) के अधीन नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति ऐसे प्रारंभ की तारीख को तत्स्थायी श्रेणी में सेवा का सदस्य समझा जाएगा।

(3) उपनियम (1) के खंड (ख) के अधीन नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति तत्स्थायी श्रेणी में ऐसी नियुक्ति की तारीख से सेवा का सदस्य होगा।

6. सेवा का आरंभिक गठन :- (1) इन नियमों के प्रारंभ की तारीख को भूतपूर्व सैनिक भूमि और छावनी सेवा में नियमित आधार पर सहायक सैनिक सम्पदा अधिकारी के पद पर नियुक्त सभी अधिकारी, सैनिक भूमि और छावनी सेवा (सहायक सैनिक सम्पदा अधिकारी) सेवा (समूह "ख") में नियुक्त किए गए समझे जाएंगे।

टिप्पण: उपनियम (1) में उल्लिखित अधिकारियों को, सेवा में उनकी नियुक्ति के पूर्व की नियमित लगातार सेवा, सेवा में प्रोन्नति, पुष्टि और पेंशन के लिए अहंक सेवा के प्रयोजनों के लिए गणना में ली जाएगी।

(2) उन सीमा तक जिस तक सेवा में प्राधिकृत नियमित संख्या आरंभिक गठन के समय नहीं भरी जाती, है वह नियम 7 के अनुसार भरी जाएगी।

7. सेवा का भावी अनुक्षण :- (1) नियम 6 के अनुसार अधिकारियों की नियुक्ति द्वारा सेवा का आरंभिक गठन पूरा होने के पश्चात् रिक्तियों इसमें इसके पश्चात् उपबंधित रीति से भरी जाएंगी।

(2) सेवा में अधिष्ठायी रिक्तियों का 50 प्रतिशत, आयोग द्वारा, इन नियमों की अनुसूची में या विनिर्दिष्ट आयु सीमा न्यूनतम शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव के अनुसार किए गए चयन के आधार पर सीधी भर्ती द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा भरी जाएंगी, प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण के लिए चयन का क्षेत्र वह होगा जो नीचे उल्लिखित है :

केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी जो सदृश पद धारण किए हुए हैं और सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अनुसूची में अधि-कथित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव रखते हैं।

(3) अधिष्ठायी रिक्तियों का शेष 50 प्रतिशत और सेवा में सभी अस्थायी रिक्तियों ऐसे व्यक्तियों की गुणागुण के अनुसार चयन के आधार पर प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति से भरी जाएंगी जिनके नाम नीचे यथाविनिर्दिष्ट प्रोन्नति के क्षेत्र और न्यूनतम अहंक सेवा के अनुसार तैयार किए गए पैतल में ज्येष्ठता के क्रम में सम्मिलित किए गए हैं :-

(क) (1) अधीक्षक, बी/आर श्रेणी-1 जिन्होंने उम श्रेणी में तीन वर्ष नियमित सेवा की है ;

(II) उपर (1) के न हो सकने पर अधीक्षक बी/आर श्रेणी-1 जिन्होंने अधीक्षक बी/आर श्रेणी-1 और सब डिबीजनल आफिसर की श्रेणियों में कुल मिलाकर 8 वर्ष नियमित सेवा की है ;

(III) उपर (ii) के न हो सकने पर ऐसे सब डिबीजनल आफिसर जिन्होंने उम श्रेणी में 8 वर्ष नियमित सेवा की है ; और

(ख) जो किसी मायता प्राप्ति संस्था से नकशानवीसी 1 सिविल इंजीनियरी में कम से कम डिप्लोमा या समतुल्य रखते हैं।

(4) प्रोन्नति और पुष्टि के लिए अधिकारियों का चयन नीचे विनिर्दिष्ट संरचना के अनुस. २ गठित विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिशों पर किया जाएगा :-

1. संयुक्त सचिव (पी०एण्ड डब्ल्यू०) रक्षा मंत्रालय --अध्यक्ष
2. महानिदेशक/उप महानिदेशक सैनिक भूमि और छावनी --सदस्य
3. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी रक्षा मंत्रालय --सदस्य

टिप्पण 1: पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां, आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किंतु, यदि संघ लोक सेवा आयोग इनका अनुमोदन नहीं करता है तो, विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

टिप्पण 2: यदि सेवा में नियुक्ति के लिए किसी अधिकारी पर विचार किया जाता है तो उम श्रेणी में उसने ज्येष्ठ सभी व्यक्तियों पर इस बात के होने हुए भी विचार किया जाएगा कि उन्होंने अपेक्षित वर्षों की सेवा पूरी नहीं की है।

8. परीक्षा :- (1) सेवा में नियुक्त किया गया प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो या प्रोन्नति द्वारा, दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर होगा,

परन्तु यह कि सरकार, उसके द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार परीक्षा की अवधि बढ़ा सकती

परन्तु यह और कि परीक्षा अवधि के विस्तार की बाबत विनिश्चय, आरंभिक परीक्षा अवधि की समाप्ति के ठीक पश्चात् सामान्यतः छह और आठ सप्ताह की अवधि के भीतर किया जाना चाहिए और यदि परीक्षा अवधि में विस्तार किया जाता है तो उस दशा में उसकी संसूचना कारणों सहित कर्मचारी को दी जानी चाहिए।

(2) परीक्षा की अवधि के पूरा हो जाने पर व्यक्तियों को, यदि उन्हें स्थायी नियुक्ति के योग्य समझा जाता है तो नियमित आधार पर उन्हें उचित नियुक्ति पर प्रतिष्ठापित किया जाएगा और सम्यक् अनुक्रम में उचित स्थायी रिक्तियों पर उन्हें पृष्ठ किया जाएगा।

(3) यदि उक्तियम (1) में निर्दिष्ट यथास्थिति, परीक्षा की अवधि या उसके किसी विस्तार के दौरान सरकार की यह राय है कि अभ्यर्थी स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं है या यदि परीक्षा की ऐसी अवधि या उसके किसी विस्तार के दौरान, सरकार का यह समाधान हो जाता है कि अभ्यर्थी ऐसी परीक्षा की अवधि या उसके विस्तार की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं होगा तो सरकार अभ्यर्थी को यथा-स्थिति, सेवाभ्युक्त कर सकती है या उसके अधिष्ठानों पर उसे प्रत्या-वर्तित कर सकती है।

(4) सरकार, परीक्षा की अवधि के दौरान अभ्यर्थी से ऐसे प्रशिक्षण और अनुदेशों के पाठ्यक्रम को पूरा करने और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण (जिनके अंतर्गत हिंदी में परीक्षा भी है) उत्तीर्ण करने को, जो वह ठीक समझे परीक्षा के समाधानप्रद रूप में पूरा करने की एक शर्त के रूप में अपेक्षा कर सकती है।

9 सेवा के सदस्यों का सेवा में नियुक्ति, तैनातियां और उनका स्थानांतरण :- सेवा में सभी नियुक्तियां सरकार द्वारा की जाएंगी और सेवा के सदस्यों की तैनातियां और उनका स्थानांतरण महानिदेशक, रक्षा भूमि और छावनी द्वारा किया जाएगा।

10 भारत के किसी भाग में सेवा के लिए दायित्व और सेवा की अन्य शर्तें :- (1) सेवा में नियुक्त किए गए अधिकारी भारत में या भारत में बाहर किसी स्थान पर सेवा करने के दायीं होंगे।

(2) अधिकारी, यदि उन्हें प्रतिनियुक्त किया जाता है तो सरकार किसी अन्य मंत्रालय/विभाग में या सरकार के नियमों और औद्योगिक उपक्रमों में सेवा करने के दायीं होंगे।

(3) सेवा में नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति यदि उससे ऐसी अपेक्षा की जाती है तो कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए, जिसके अंतर्गत प्रशिक्षण पर व्यतीत की गई अवधि भी है, यदि कोई है, भारत की रक्षा से संबंधित किसी रक्षा सेवा में या पर पर सेवा करने का दायीं होगा, परन्तु यह कि ऐसे व्यक्ति से--

(क) उनकी नियुक्ति की तारीख में दस वर्ष की समाप्ति के यथापूर्वक सेवा करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी,

(ख) 40 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् सामान्यतः यथा-पूर्वक सेवा करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

(4) उन मामलों की बात जिनकी बात इन नियमों में उपबन्ध नहीं किए गए हैं, सेवा के सदस्यों की सेवा की शर्तें वैसी ही होंगी जो साधारणतया केन्द्रीय सिविल सेवा के अधिकारियों की समय-समय पर लागू होती है,

11 निरहंताएं - वह व्यक्ति :- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या पत्नी से तलाक़ होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

12. शिथिल करने की शक्ति :- जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें मेखबन्द करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकती है।

13 व्यावृत्ति :- इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर, प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

14. निर्वचन :- यदि इन नियमों के निर्वचन के संबंध में कोई प्रश्न उत्पन्न है तो वह सरकार द्वारा विनिश्चित किया जाएगा।

15 निरसन :- सैनिक भूमि और छावनी सेवा (समूह "क" और समूह "ख") नियम, 1951 और समय-समय पर यथा संशोधित सैनिक भूमि और छावनी सेवा (सहायक सैनिक संपदा अधिकारी-सकनीको) भर्ती नियम, 1968 जहां तक वे उन पदों से संबंधित हैं जिनकी वे नियम लागू होते हैं, इसके द्वारा निरसित किए जाते हैं।

परन्तु यह कि ऐसा निरमन उक्त नियमों के अधीन ऐसे निरमन के पृष्ठ की गई किसी बात या कार्यवाई पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनुसूची

(नियम 7 का उद्दिष्ट 2 देखें)

सैनिक भूमि और छावनों (सहायक सैनिक सम्पदा अधिकारी) सेवा (समूह "ख") में सम्मिलित किए गए सहायक सैनिक सम्पदा अधिकारी के पद पर सीधे भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षिक और अन्य अर्हताएं, अनुभव और आयु सीमा।

(क) आयु सीमा : 30 वर्ष से अधिक नहीं (सर्कारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक गिनत की जा सकती है)

टिप्पण : आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक सारीख भारत में रहने वाले (उनमें भिक्षु जो अद्वैत और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अनिम तारीख होगी।

(ख) शैक्षिक अर्हताएं और अन्य अर्हताएं तथा अनुभव—

आवश्यक : (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में उपाधि या समतुल्य।

(ii) दो वर्ष का श्रुतिक अनुभव।

टिप्पण 1—अर्हताएं अथवा मुअश्चित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार गिनत की जा सकती है।

टिप्पण 2—अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामले में उस दशा में गिनत की जा सकती है (है), जब कि खत के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि इनके लिए आश्रित गिनतियों को करने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकते।

[फाइनल संख्या-103/44/प्रशासन/भू० व छा० (पी०सी०)]

S.R.O. 66.—Whereas draft of the Military Lands and Cantonments (Assistant Military Estates Officers) Service (Group B) Rules, 1982, was published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 227 dated the 27th August, 1982 in the Gazette of India, Part II, Section 4 dated the 11th September, 1982, as required by sub-section (1) of section 280 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), for inviting objections and suggestions from all the persons likely to be affected thereby till the 29th October, 1982 ;

And whereas, the aforesaid Gazette was made available to the public on the 14th September, 1982 ;

And whereas, all the objections and suggestions received before the date specified have been duly considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 280 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

RULES

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Military Lands and Cantonments (Assistant Military Estates Officers) Service (Group B) Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :—

(a) "Commission" means the Union Public Service Commission ;

(b) "Departmental Promotion Committee" means a Committee constituted to consider promotion and confirmation in the Service ;

(c) "Duty post" means a post, whether permanent or temporary, included in sub-rule (1) of rule 4 ;

(d) "Government" means the Government of India ;

(e) "Regular service" in relation to any grade means the period or periods of service in the grade rendered after selection according to the prescribed procedure for long term appointment to that grade

and include any period or periods—

(i) taken into account for purpose of seniority in the case of those appointed at the initial constitution of the Service ;

(ii) during which an officer would have held a duty post in that grade but for being on leave or otherwise not being available for holding such posts.

(f) "Schedule" means a Schedule to these rules ;

(g) "Schedule Castes" and "Scheduled Tribes" shall respectively have the same meaning as assigned to them respectively in clauses (24) and (25) of article 366 of the Constitution ;

(h) "Service" means the Military Lands and Cantonments (Assistant Military Estates Officers) Service (Group B) constituted under rule 3.

3. Constitution of the Military Lands and Cantonments (Assistant Military Estates Officer) Service (Group B) :— There shall be constituted a Service known as the Military Lands and Cantonments (Assistant Military Estates Officers) Service (Group B) consisting of persons appointed to the Service under rules 6 and 7. All the posts included in the Service shall be classified as Group B posts.

4. Authorised strength of the Service and its review.— (1) The duty posts included in the Service, their number and scale of pay on the date of commencement of these rules shall be as specified below :—

Sl. No.	Name of the post	No. of posts	Scale of pay
1	Assistant Military Estates Officers	31	Rs. 650-30-740-35-8 10-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

(2) After the commencement of these rules, the authorised permanent strength of the duty posts such as may be, from time to time, be determined by the Government.

(3) The Government may make temporary additions or deletions to the strength of duty posts as deemed necessary from time to time.

(4) The Government may, in consultation with the Commission, include in the Service any post other than those included in sub-rule (1) or exclude from the Service a post included in the said sub-rule.

(5) The Government may, in consultation with the Commission, appoint an officer whose post as included in the Service under sub-rule (4) of this rule to the Service in a temporary capacity or in a substantive capacity, as may be deemed fit, and fix his seniority after taking into account continuous regular service, in the analogous grade.

5. Members of the Service.—(1) The following persons shall be the members of the Service—

(a) Persons appointed to the Service at the commencement of these rules under rule 6 from the date of such commencement.

(b) Persons appointed to duty posts after the commencement of these rules from the date they are so appointed.

(2) A person appointed under clause (a) of sub-rule (1) shall on such commencement be deemed to be a member of the Service in the corresponding grade.

(3) A person appointed under clause (b) of sub-rule (1) shall be a member of the Service in the corresponding grade from the date of such appointment.

6. Initial constitution of the Service.—(1) All officers appointed to the posts of Assistant Military Estate Officers (Technical) in the erstwhile Military Lands and Cantonments Service on regular basis on the date of commencement of these rules, shall be deemed to have been appointed to the Military Lands and Cantonments (Assistant Military Estates Officers) Service (Group B).

Note : The regular continuous service of officers mentioned in sub-rule (1) prior to their appointment to the Service shall count for the purposes of qualifying service for promotion, confirmation and pension in the Service.

(2) To the extent the authorised regular strength in the Service is not filled at the time of the initial constitution, it shall be filled in accordance with rule 7.

7. Future maintenance of the Service.—(1) After initial constitution of the Service has been completed by the appointment of officers in accordance with rule 6, vacancies shall be filled in the manner as hereinafter provided.

(2) 50 per cent of the substantive vacancies in the Service shall be filled by direct recruitment on the basis of selection to be made by the Commission in accordance with the age limit, minimum educational qualifications and experience as specified in the Schedule to these rules, failing which by transfer on deputation, the field of selection for transfer on deputation shall be as under :—

“Officers of the Central Government holding analogous posts and possessing educational qualifications and experience laid down for direct recruits in the Schedule.”

(3) Remaining 50 per cent substantive vacancies and all temporary vacancies in the Service shall be filled by appointment of persons by promotion on the basis of selection on merit, included in the panel in the order of seniority in the panel prepared in accordance with the field of promotion and the minimum qualifying service as specified below :—

- (a) (i) Superintendents B/R Grade I with Years' regular service in the grade ;
- (ii) failing (i) above, Superintendents B/R Grade I with 8 years' combined regular service in the grades of Superintendent B/R Grade I and Sub Divisional Officer ;
- (iii) failing (ii) above, Sub Divisional Officer with 8 years' regular service in the grade ; and
- (b) possessing at least a Diploma in Draftsmanship/Civil Engineering from a recognised Institution or equivalent.

(4) The selection of officers for promotion and confirmation shall be made on the recommendations of the Departmental Promotion Committee constituted in accordance with the composition specified below :—

1. Joint Secretary (P&W) Ministry of Defence
—Chairman
2. Director General/Deputy Director General, ML&C
—Member
3. Chief Administrative Officer, Ministry of Defence
—Member

Note 1 : The proceedings of the D.P.C. relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the D.P.C. to be presided over by the Chairman or a Member of the U.P.S.C. shall be held.

Note 2 : If an officer is considered for the purpose of appointment to the Service, all persons senior to him in the grade shall also be considered

notwithstanding that they may not have been rendered the requisite number of years of service.

8. Probation.—(1) Every person on appointment to the Service either by direct recruitment or by promotion shall be on probation for a period of two years :

Provided that the Government may extend the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time :

Provided further that the decision regarding the extension of probation on period should be taken immediately after the expiry of the initial probationary period within a period of 6 to 8 weeks and communicated to the employee together with the reasons in case of any extension in the probationary period.

(2) On completion of the period of probation, persons shall, if considered fit for permanent appointment, be retained in their appointment on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies, as the case may be.

(3) If during the period of probation, referred to in sub-rule (1) or any extension thereof, as the case may be, the Government is of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if, at any time during such period of probation, or extension thereof, the Government is satisfied that the candidate will not be fit for permanent appointment on the expiry of such period of probation, or extension thereof, the Government may discharge or revert the candidate to his substantive post, as the case may be.

(4) During the period of probation, the candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests (including examination in Hindi) as it may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

9. Appointment to the Service, postings and transfers of members of the Service :—All appointment to the Service shall be made by the Government and the postings and transfers of the members of the Service shall be made by the Director General, Military Lands and Cantonments.

10. Liability for service in any part of India and other conditions of Service.—(1) Officers appointed to the Service shall be liable to serve anywhere in India or abroad.

(2) Officers, if deputed, shall be liable to serve in any other Ministry/Department of the Government or Corporations and Industrial Undertakings of the Government.

(3) Any person appointed to the Service, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the defence of India, for a period of not less than 4 years, including the period spent on training, if any, provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of his appointment ;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 40 years.

(4) The conditions of service of the members of the Service in respect of matters of which no provision is made in the rules shall be the same as are applicable from time to time, to officers of Central Civil Services, in general.

11. Disqualifications.—No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the Service :

Provided that the Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and

that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule

12 Power to relax—Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Commission relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons

13 Saving—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for persons belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and their special categories of persons in accordance with the orders issued by the Government from time to time

14 Interpretation—If any question relating to interpretation of these rules arises, it shall be decided by the Government

15 Repeal—The Military Lands and Cantonments Service (Group A and Group B) Rules, 1951 and the Military Lands and Cantonments Service (Assistant Military Estates Officer—Technical) Recruitment Rules, 1968, as amended from time to time and in so far as they relate to posts to which these rules are applicable are hereby repealed

Provided that such repeal shall not affect anything done or action taken under the said rules, before such repeal

SCHEDULE

(See sub-rule (2) of rule 7)

Minimum educational and other qualifications, experience and age limit for direct recruitment to the post of Assistant Military Estates Officer included in the Military Lands and Cantonments (Assistant Military Estates Officer) Service (Group B)

(a) Age limit

—Not exceeding 30 years (Relaxable upto 5 years for Government servants)

Note:— The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshdweep)

(b) Educational and other qualifications and experience:—

Essential

(i) Degree in Civil Engineering of a recognised University or equivalent.

(ii) 2 years' professional experience

Note 1: Qualifications are relaxable at the discretion of the U.P.S.C in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2: The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the U.P.S.C in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection, the U.P.S.C is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

[File No 103/44/ADM/L&C (PC)]

नई दिल्ली, 15 फरवरी 1983

क्र० नि० आ० 67—राष्ट्रपति मंत्रिधन के अनुच्छेद 109 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचेना म बायलर इंजीनियर के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात्—

1 सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम नीचेना (सिविलियन राजपत्रित) बायलर इंजीनियर भर्ती नियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे, जो इन नियमों में उल्लेख अनुसूची के स्तम्भ (2) से (4) में विनिर्दिष्ट है।

3 भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं आदि—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ (5) से (11) में विनिर्दिष्ट है।

4 निरर्हताएं—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार का लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5 शिथिल करने की शक्ति—अर्थात् केन्द्रीय सरकार की यह शक्ति है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहा वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध के तथा सब लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा धिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :- इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित अंतर्जातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनमान	जबन पद अवकाश प्रत्यक्ष पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जाड़े गए वर्गों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक-और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	6क	7
बायस्कर इंजीनियर	1* (1982) *कार्यभार के आधार पर परि-वर्तन किया जा सकता है	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपत्रित अतिरिक्तवर्गीय	700-40-900- ब०रो०-40- 1100-50- 1300 रु०	लागू नहीं होता	35 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवाओं के लिए 5 वर्ष) तक शिथिल की जा सकती है। टिप्पण:-आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, प्रत्येक मामले में, भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से उनसे भिन्न जो अग्र-मान और निरंतरता द्वीप तथा लक्ष्य में रहते हैं, आवेदन प्राप्त करने के लिए नियम की गई अंतिम तारीख होगी।	नहीं	आवश्यक : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में उपाधि या समतुल्य। (ii) किसी राज्य सरकार या मान्यताप्राप्त संस्था द्वारा जारी किया गया बायस्कर प्रचालन इंजीनियर प्रमाणपत्र या समतुल्य। वांछनीय : जब नवी बायस्करों जाने वाला गैर जनक संघर्ष में अनुभव
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोक्त व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोक्षति द्वारा या प्रतिनिधु-क्ति / स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिभूतता		प्रोक्षति / प्रतिनिधुक्ति / स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोक्षति / प्रति-नियुक्ति / स्थानांतरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोक्षति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13		
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधे भर्ती द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण केन्द्रीय सरकार / राज्य सरकारों के अधीन ऐसे अधिकारी जो:- (क) (1) जो मनुष्य पद धारण किए हुए हैं, या (ii) जिन्होंने 650-1200	सीधे भर्ती किए गए व्यक्ति को पुष्टि पर विचार करने के लिए समूह "क" विभागीय प्रोक्षति समिति 1. संयुक्त गणित (नौसेना) ---अध्यक्ष 2. कामिक मुख्य सहायक	जबन प्रत्येक अवसर पर, संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श पर किया जाएगा।		

8	9	10	11	12	13
			२० के या समतुल्य बेतनमान वाले पदों पर तीन वर्ष सेवा की है	सिविलियन कार्मिक निदेशक— सवस्य टिप्पण :- पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी । किंतु यदि संघ लोक सेवा आयोग इनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होंगी ।	
			या (iii) जिन्होंने 550-900 रु० के या समतुल्य बेतनमान वाले पदों पर 5 वर्ष नियमित सेवा की है और (ख) जिनके पास सीधे सती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए स्लैब 7 के नीचे विहित अर्हताएं हैं। (प्रतिनियुक्ति की अतिरिक्त सामान्य 10 वर्ष से अधिक नहीं होगी)		

[फा० सं० सी०पी० (जी)/1482]

New Delhi, the 15th February, 1983

S.R.O. 67.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Boiler Engineer in the Navy, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Navy (Civillan-Gazetted) Boiler Engineer Recruitment Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said posts, classifications and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualification and other relating to the said post shall be as specified in columns (5) to (13) of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person ;

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of Central Civil Services (pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	6(a)	(7)
Boiler Engineer	1* (1982) *subject to variation to various Gazetted depend-	General Central Service Group 'A' Non-	Rs. 700-40- 900-EB-40- 1100-50-1300	Not applicable.	Not exceeding 35 years. (Relaxable up to 5 years for Government servants) Note : The crucial	No	Essential : (i) Degree in Mechanical Engineering from a recognised University or equivalent. (ii) Boiler Operations Engi-

1	2	3	4	5	6	6(a)	7
	dent on work-load.	Ministerial.			date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	near Certificate issued by a State Government or recognised Institution or equivalent. Desirable : Experience in Steam Gas Generating Plants having water tube boilers.	
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.		
(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)		
Not applicable.	2 years	By transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation : Officers under the Central/ State Governments :— (a) (i) holding analogous posts; or (ii) with 3 years' service in posts in the scale of Rs.650—1200 or equivalent; or (iii) with 5 years' service in posts in the scale of Rs.550—900 or equivalent; and (b) possessing the educational qualifications prescribed for direct recruits under column 7. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years)	Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation of a direct recruit) :— 1. Joint Secretary (Navy) —Chairman. 2. Assistant Chief of Personnel/Director of Civilian Personnel—Member. Note :—The Proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.	Selection on each occasion shall be made in consultation with the Commission.		

[File No. CP(G)/1790]

का० नि० आ० 68.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रक्षा मंत्रालय के अधीन सेना लिपिक प्रशिक्षण विद्यालय औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में हिन्दी टंकण अनुदेशक समूह "ख" राजपत्रित (अलिपिकवर्गीय) पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सेना लिपिक प्रशिक्षण विद्यालय, औरंगाबाद हिन्दी टंकण अनुदेशक समूह "ख" राजपत्रित अलिपिक वर्गीय भर्ती नियम, 1983 है

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :— उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे, जो इन नियमों से उपायय अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3 भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं आदि— उक्त पद पर भर्ती का पदसि, आयु सीमा अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहताएं :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्ष कार को नाग स्वीय विधि के अर्धान अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक था समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षण आयु सीमा से छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनामान	चयन पद अथवा अधयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयुसीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सेवा (पेंशन) नियम के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	6क	7
हिन्दी टंकण अनुदेशक *2	रक्षा सेवाओं में (1982) सिविलियन समूह *कार्यभार "ख" राजपत्रित के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	रक्षा सेवाओं में सिविलियन समूह "ख" राजपत्रित (अतिरिक्तवर्गीय)	850-30-740-35-810-40-1000-20-रो० 40-1200 रु०	चयन	30 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा किए जाने वाले अनुदेशों के अनुसार 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)। टिप्पण: आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्धारित तारीख प्रत्येक मामले में भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अन्धमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियम की गई अंतिम तारीख होगी।	नहीं	आवश्यक : (i) किसी माय्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से उपाधि या समतुल्य जिसमें हिन्दी एक विषय रही हो, या प्रभाकर, विद्वान साहित्य रत्न अथवा समतुल्य के अतिरिक्त माय्यता प्राप्त हिन्दी अर्हता। (ii) हिन्दी टंकण और अंग्रेजी टंकण में प्रवीणता तथा 30 शब्द प्रति मिनट की गति। (iii) हिन्दी या हिन्दी रिपो-टर के रूप में 7 वर्ष का अनुभव या हिन्दी टंकण में अनुदेशक के रूप में 5 वर्ष का अनुभव। टिप्पण.—1 अन्यथा सुअक्षित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अर्हताएं शिथिल की जा सकती हैं। टिप्पण. 2— अनुभव संबंधी

1	2	3	4	5	6	6क	7
							<p>अहता (अहताए), संघ लोक सेवा आयोग के विवेका-नुसार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के अभ्याथियों के मामले में उस दशा में शिक्षित की जा सकती है (है), जब कि चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि इनके लिए धारित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन सम्बाधों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।</p> <p>वांछनीय :</p> <p>टाईपराइटर्स की छोटी मोटी मरम्मतों और उनके अनुरक्षणों का ज्ञान।</p>
<p>संघ भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अहताए प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं</p>	<p>परिक्षा की अवधि यदि कोई हो।</p>	<p>भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती किए जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता</p>	<p>प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा</p>	<p>यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना</p>	<p>प्रोन्नति</p>	<p>भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा</p>	
8	9	10	11	12	13		
<p>आयु नहीं शैक्षिक अहताए हा</p>	<p>2 वर्ष</p>	<p>(i) प्रोन्नति / प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा 50 प्रतिशत (ii) सीधी भर्ती द्वारा 50 प्रतिशत</p>	<p>प्रोन्नति / प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण (i) केंद्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी (क) (i) जो समुदाय पर धारण किए हुए हैं, या (ii) जिन्होंने 550-900 रु० के समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 3 वर्ष सेवा की है, या (iii) जिन्होंने 425-700 रु० के या समतुल्य वेतनमान में 8 वर्ष सेवा की है; और (ख) जो स्तंभ 7 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अहताए, अनुभव अदि रखते हैं (2) ऐसे विभागीय आगुलिपिक श्रेणी 2 पर भी, जिसने उस श्रेणी में 8 वर्ष नियमित सेवा की है विचार किया जाएगा और यदि उसका उस पद पर</p>	<p>समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति 1. समुक्त सचिव (जी) —अध्यक्ष 2. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य 3. उप निदेशक सैनिक प्रशिक्षण (बी) टिप्पण—मुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदन-नार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु यदि संघ लोक सेवा आयोग इनका अनुमोदन नहीं करता है, तो, विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।</p>	<p>सीधी भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक है।</p>		

8	9	10	11	12	13
			नियुक्ति के लिए जयन कर लिया जाता है तो वह पद प्रोवेंसि द्वारा भरा गया समझा जाएगा। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)		

[फा सं० ए / 45023 / जी एम / एम टी 7]

S.R.O. 68.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Hindi Typewriting Instructor Group 'B' Gazetted (Non-Ministerial) in the Army Clerks Training School, Aurangabad (Maharashtra) under the Ministry of Defence namely :—

1. Short title and Commencement.—(1) These rules shall be called Army Clerks Training School, Aurangabad, Hindi Typewriting Instructor Group 'B' Gazetted (Non-Ministerial) Recruitment Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Scheduled annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person ;

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, and for reasons to be recorded in writing and in writing relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	6(a)	7
Hindi Typewriting Instructor.	2* (1982)	Civilians in Defence Services Group 'B' Gazetted (Non-Ministerial)	Rs.650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Selection	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants by 5 years in accordance with the Instructions issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from the candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	No.	Essential : (i) Degree of a recognised University or equivalent with Hindi as one of the subjects or with additional recognised Hindi qualification of Prabhakar, Vidwan, Sahitya Ratna or equivalent. (ii) Proficiency in Hindi Typewriting and English Typewriting with a speed of 30 words per minute. (iii) 7 years' experience as Hindi Typist or Hindi Reporter or 5 years experience as Instructor in Hindi Typewriting. Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion

1	2	3	4	5	6	6(a)	7
							of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Knowledge of minor repairs and maintenance of typewriters.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment		
8	9	10	11	12	13		
Age : No. Educational qualification : Yes	2 years	(i) 50% by promotion/transfer on deputation. (ii) 50% by direct recruitment.	Promotion/transfer on deputation (1) Officers of the Central Government :— (a) (i) holding analogous posts; or (ii) with 3 years' service in posts in the scale of Rs.550-900 or equivalent; or (iii) with 8 years' service in the scale of Rs.425-700 or equivalent; and (b) possessing the educational qualifications, experience etc. prescribed for direct recruits under column 7. (2) The departmental Stenographer Grade II with 8 years' regular service in the grade will also be considered and in case he is selected for appointment to the post, the same shall be deemed to have been filled by promotion. (Period of deputation shall not exceed 3 years).	Group 'B' Departmental Promotion Committee 1. Joint Secretary (G)—Chairman. 2. Chief Administrative Officer—Member. 3. Deputy Director of Military Training (B)—Member. Note :—The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment.		

का० नि० आ० 60--राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्परा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सेवा कमान में अनुवाद अधिकारी के पद/पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् : --

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सेवा कमान मुख्यालय (अनुवाद अधिकारी) भर्ती नियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान आदि : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इससे उपाब्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं : वह व्यक्ति--

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुमति है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद्धति	सिद्धि भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्गों का कामकाज केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनिवार्य है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7	8
अनुवाद अधिकारी	5 (1982) कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है। प्रत्येक कमान जैसे दक्षिणी, उत्तरी, पूर्वी, पश्चिमी	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' राजपत्रित असिपिकवर्गीय	650-30-740- 35-810- ब०रो०-880-40- 1000-ब०रो०- 40-1200र०	चयन	30 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनु-वेष्टों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)। दिप्यण :--आयु सीमा प्रवर्धित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यासियों से (उनसे भिन्न जो अल्पमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।	नहीं	आवश्यक (i) किसी मास्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से द्विती में मास्टर की उपाधि जिसमें उपाधि स्तर पर अंग्रेजी एक विषय के रूप में रही हो। या किसी मास्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से अंग्रेजी में मास्टर की उपाधि जिसमें उपाधि स्तर पर द्विती एक विषय के रूप में रहा हो। या किसी मास्यता प्राप्त विश्व विद्यालय से किसी विषय में मास्टर की

1	2	3	4	5	6	7	8
	और मध्य कमान में एक (पक्ष)						<p>उपाधि जिसमें उपाधि स्तर पर हिन्दी और अंग्रेजी, विषयों के रूप में रहे हों।</p> <p>या</p> <p>किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से किसी भी विषय में मास्टर की उपाधि जिसमें हिन्दी माध्यम रहा हो और उपाधि स्तर पर अंग्रेजी एक विषय के रूप में रहा हो।</p> <p>या</p> <p>किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से किसी भी विषय में मास्टर की उपाधि जिसमें अंग्रेजी माध्यम रहा हो और उपाधि स्तर पर हिन्दी एक विषय के रूप में रहा हो।</p> <p>(ii) हिन्दी में साक्षात्कारी विषयक कार्य का/या हिन्दी से अंग्रेजी में या अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद करने का 5 वर्ष का अनुभव जो अनुभव अधि-मान्यता: तकनीकी या वैज्ञानिक साहित्य में हो।</p> <p>या</p> <p>हिन्दी में अस्थापन, अनु-संधान, लेखन या प्रकाशितता का 5 वर्ष का अनुभव।</p> <p>टिप्पण 1 : अर्हताएं अन्यथा सुप्रसिद्ध अभियानों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।</p> <p>टिप्पण 2 : अनुभव सम्बन्धी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभियानों के मामले में उस दशा में शिथिल की जा सकती है (हैं), जब जपन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए प्रारक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के</p>

8

अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उप-लब्ध नहीं हो सकेंगे।

वांछनीय :

- (i) संस्कृत और/वा प्राधुनिक भारतीय भाषा का ज्ञान।
- (ii) प्रशासनिक अनुभव।
- (iii) टिप्पण और प्रारूपण के लिए हिन्दी कक्षाएं या कार्यशालासारं आयोजित करने का अनुभव।

सीधे भर्ती किए जाने परीक्षा की अवधि भर्ती की पद्धति, भर्ती सीधे वाले व्यक्तियों के लिए यदि कोई हो होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तब जिनसे प्रोन्नति व्यक्तियों/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशतता

9	10	11	12	13	14
नहीं	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा। टिप्पण:— प्रोन्नति/प्रतिनियुक्तियों प्रत्येक कमान के लिए अलग-अलग होगी।	प्रोन्नति : ऐसे ज्येष्ठ अनुवादक जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी-- (क) (i) जो मनुष्य पद धारण किए हुए हैं या (ii) जिन्होंने 550—900 रु० या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 3 वर्ष सेवा की है या (क) (i) जिन्होंने 420—700 रु० समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 8 वर्ष सेवा की है, और (ख) जिनके पास स्तंभ 8 में सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव आदि हैं। (प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति 1. संयुक्त सचिव (जी), रक्षा मंत्रालय—अध्यक्ष 2. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, रक्षा मंत्रालय—सदस्य 3. संयुक्त निदेशक (हिन्दी) सैनिक प्रशिक्षण निदेशालय, सेना मुख्यालय—सदस्य टिप्पण: पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।	सीधी भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

[फाइल सं० ए/95055/एच०सी०/जी०एस०/एम०डी-17]
एम० सी० जुनेजा, अध्यक्ष

S.R.O. 69.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Translation Officer in the Army Commands, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Army Commands Headquarters (Translation Officer) Recruitment Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay etc.—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule hereto annexed.

3. Method of recruitment, age limit, and other qualifications.—The method of recruitment, to the said post, age limit, qualification and other matters connected therewith shall be as specified in columns (5) to (14) of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or

(a) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person ;

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of the rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

SCHEDULE

Name of Post	No. of Post	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or Non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Translation Officer	5*(1982) *Subject to variation dependent on work-load. (one post in each Command viz. Southern, Eastern, Western Central and Northern Command).	General Central Service Group 'B' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.	Selection	Not exceeding 30 years. (Relaxable upto 5 years for Government servants in accordance with instructions issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	No	Essential : (i) Master's degree of a recognised University in Hindi with English as a subject at the degree level. Or Master's degree of a recognised University in English with Hindi as a subject at the degree level. Or Master's degree of a recognised University in any subject with Hindi medium and English as a subject at the degree level. Or Master's degree of a recognised University in any subject with English medium and Hindi as a subject at the degree level. (ii) 5 years experience of terminological work in Hindi and/or translation work from English to Hindi or vice versa preferably of technical or scientific literature. Or 5 years experience of teaching, research, writ-

ing or Journalism in Hindi.

Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Caste and Scheduled Tribes if at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable :

- (i) Knowledge of Sanskrit and/or modern Indian Language.
- (ii) Administrative experience.
- (iii) Experience of organising Hindi classes or workshops for noting and drafting.

Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14
No	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment. Note : The promotion/appointments shall be Commandwise.	Promotion : Senior translators with 3 years regular service in the grade. Transfer on deputation Officers under the Central Government— (a) (i) holding analogous posts or (ii) with 3 years' service in posts in the scale of Rs. 550-900 or equivalent; or	Group 'B' Departmental Promotion Committee 1. Joint Secretary(G), Ministry of Defence—Chairman 2. Chief Administrative Officer, Ministry of Defence—Member 3. Joint Director (Hindi) Military Training Directorate, Army Headquarters—Member.	Consultation with Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment.

12	13	14
<p>(iii) with 8 years' service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent; and</p> <p>(b) possessing the educational qualifications and experience etc. prescribed for direct recruits under Column 8.</p> <p>(Period of deputation shall not exceed 3 years)</p>	<p>Note : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of Union Public Service Commission shall be held.</p>	

[File No. A/95055/40/HC/GS/MT-17]
M.C. JUNEJA, Under Secy.

